



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

क्र० 19]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 17, 1983/पौष 27, 1904

No. 19]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 17, 1983/PAUSA 27, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आदेश

नई दिल्ली, 17 जनवरी, 1983

निर्यात व्यापार नियंत्रण

क्र० आ० 19(अ)/सं०ई०(सी)ओ०, 1977/ए०एस (255)---आयात-
निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा
प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा निर्यात
(नियंत्रण) आदेश, 1977 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित
आदेश का निर्माण करती है, अर्थात् -

1. इस आदेश का निर्यात (नियंत्रण) दूसरा संशोधन
आदेश, 1983 की संज्ञा दी जाए।

2. निर्यात (नियंत्रण) आदेश, 1977 में,

(क) धारा 3 क हटा दी जाएगी।

(ख) भाग 'ख' धनुर्मुची 1 में क्रम सं० 70 के सामने वर्तमान उप-
प्रविष्टियां (5) से (15) तक हटा दी जाएंगी और उनके स्थान
पर निम्नलिखित प्रतिस्थापित की जाएंगी -

"70(5) सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशो (पटसन, रेशम और
फ्लेक्स को छोड़कर) से निर्मित वस्त्र और सूती वस्त्र उत्पादों का
भारत यूरोपीय आर्थिक समुदाय के वस्त्र समझौते के अन्तर्गत
यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों को निर्यात।

(6) सूत, ऊन और निर्मित रेशो (पटसन, रेशम और फ्लेक्स को
छोड़कर) से निर्मित वस्त्रों का भारत संयुक्त राज्य वस्त्र समझौते
के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमेरिका को निर्यात।

(7) कुछ सूती वस्त्रों और वस्त्र उत्पादों का भारत और आस्ट्रिया
के बीच आपसी सहमति के शापन के अन्तर्गत आस्ट्रिया को
निर्यात।

(8) हटा दिया गया है।

(9) भारत स्वीडन वस्त्र करार के अन्तर्गत स्वीडन को सूत, ऊन या
उनके मिश्रण के कुछ वस्त्र उत्पादों का निर्यात।

(10) भारत और फिनलैंड के बीच हुए सहमति शापन के अन्तर्गत
फिनलैंड को सूती और मानव निर्मित रेशो के वस्त्र उत्पादों का
निर्यात।

(11) हटा दिया गया है।

(12) कोटोन, लोम और अकरा(भाना) का असली मद्रासी क्मान
(आर०एम०ए०ए०) का निर्यात।

(13) भारत और कनाडा के बीच हुए सहमति शापन के अन्तर्गत
कनाडा को सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशो और उनके मिश्रण
के बने कुछ वस्त्र उत्पादों का निर्यात।

(14) ऐसे देशों के मामले में जिन देशों के साथ भारत के ऐसे समझौते
हैं, द्विपक्षीय के अन्तर्गत न घाने वाले देशों को निर्यात की
जाये वाली सभी किस्म की पीलाके और सलाई से बनाए हुए

पहनावे और ऐसे भव जो विषपक्षीय समझौते के प्रावधानों के अधीन नहीं है।

- (15) ऐसे देशों के मामले में जिन देशों के साथ भारत के ऐसे समझौते हैं, विषपक्षीय वस्त्र समझौते के अन्तर्गत न आने वाले देशों को निर्यात किए जाने वाले वस्त्र और तैयार वस्तुएं और ऐसे वस्त्र और तैयार वस्तुएं जो विषपक्षीय समझौते के प्रावधानों के अधीन नहीं हैं।

(ग) जबले सामान्य लाइसेंस-3 में, क्रम सं० 55 से 62-ख तक के सामने की वर्तमान प्रविष्टियां हटा दी जाएंगी और निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

| क्र०सं० | भव | अनुसूची-1 के पूर्ण की जाने वाली शर्तों/भाग 'ख' के प्रस्तुत किए जाने वाले अनुसार वस्तावेज |
|---------|----|--|
|---------|----|--|

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|
|---|---|---|---|

55 भारत-यूरोपीय आर्थिक समुदाय वस्त्र समझौते के अन्तर्गत सूती, ऊन और मानवनिर्मित रेशों (जिसमें पटसन, रेशम और फलैक्स शामिल नहीं हैं) से बने वस्त्रों और वस्त्र सामग्री का यूरोपीय आर्थिक समुदाय के सदस्य राज्यों को निर्यात।

बी-70(5)

(i) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आर्बटन के मद्दे :—

(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद् ;

(ख) 'पीशाकों' और बने हुए वस्त्र के लिए (जिसमें ऊनी बुने हुए वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संबंधित परिषद् ;

(ग) ऊनी वस्त्रों, तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए पहनावों के लिए (जिसमें ऊनी पीशाक शामिल नहीं हैं) ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद् सभी प्रकार के कपड़ों और तैयार कपड़ों (जिसमें ऊनी कपड़े और तैयार कपड़े भी शामिल हैं) के लिए पोतल-दान बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूती वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद् द्वारा बनाए जाएंगे और सभी पीशाकों और बुने हुए वस्त्र (जिसमें ऊनी पीशाक और बुने हुए वस्त्र शामिल हैं) के लिए ऐसे प्रमाणन परिधान निर्यात संबंधित परिषद् द्वारा बनाए जाएंगे।

(ii) निर्यात हकदारी के आर्बटन के मामले में, निर्यात संबंधित परिषदों द्वारा आणिक्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्ग दर्शाओं का पालन

1

2

3

4

किया जाएगा और न्यूनतम मूल्य प्रक्रिया के माध्यम से उचित बसूली करने का मुनिष्य करने के प्रयास किए जाएंगे।

(iii) कुटीर उद्योग के हथकरघा वस्त्रों, हथकरघा वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित कुटीर उद्योग उत्पाद (पीशाकों से भिन्न) और परम्परागत लोक हस्तशिल्प वस्त्र सामग्री (भारत में) मातृक प्रतिवर्ष के अधीन नहीं हैं। हथकरघा पीशाकों के निर्यात के मामले में, वस्त्र समिति से इस संबंध में प्रमाणन प्रस्तुत करना आवश्यक होगा कि वस्त्र वास्तव में हथकरघा द्वारा तैयार किया गया है। प्रतिबंधित भवों के समरूप सभी हथकरघा वस्त्रों/तैयार वस्त्रों के निर्यात के मामले में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक 'निरीक्षण पुष्ठांकन' अपेक्षित होगा 'भारत में' के संबंध में, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) अथवा वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र अपेक्षित होगा।

56 भारत संयुक्त राज्य अमरीका वस्त्र समझौते के अधीन सूत, ऊन और मानव निर्मित रेशों से बने (जिसमें पटसन, रेशम और फलैक्स शामिल नहीं हैं) वस्त्रों का संयुक्त राज्य अमरीका को निर्यात।

बी-70

(1) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारी के आर्बटन के मद्दे :—

(क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए (जिसमें ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद् ;

(ख) पीशाकों और सलाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए (जिसमें सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्र शामिल नहीं हैं) परिधान निर्यात संबंधित परिषद् ;

(ग) ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों और सलाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए (लेकिन जिसमें ऊनी पीशाक शामिल नहीं हैं) ऊन और ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद्।

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|--|---|--|---|------------------------------------|---|---|---|
| | | लेकिन ऊनी वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए पोतवहन बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सूची वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा और सजाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के मामले में इस प्रकार का प्रमाणन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद् द्वारा किया जाएगा। | | सामग्री का आस्ट्रेलिया को निर्यात। | | बिलों पर प्रमाणन करने पर:- | |
| | | (II) निर्यात हकदारों के आबंटन के मामलों में निर्यात संवर्धन परिषद् वैणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शन का पालन करेगी और स्पूनतम कीमत प्रक्रिया के माध्यम से उचित वसूली सुनिश्चित करने के लिए प्रयास करेगी। | | | | (क) वस्त्रों और तैयार वस्त्रों के लिए सूची वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्; और | |
| | | (III) कुटीर उद्योग के हथकरवा ऐसे वस्त्रों से बने हस्तनिर्मित 'कुटीर उद्योग वस्त्र (पीशाकों से भिन्न) और कुटीर उद्योग के परम्परागत लोक हस्त-शिल्प वस्त्रों की सामग्री ("भारत मर्च") मादिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं हैं। हथकरवा पीशाकों के निर्यात के मामले में वस्त्र समिति द्वारा यह प्रमाणन भी अपेक्षित होगा कि वस्त्र मूल रूप से हथकरवा द्वारा तैयार किए गए हैं। जहां तक प्रतिबंधित मर्चों के समूह सभी हथकरवा वस्त्रों/तैयार वस्त्रों के निर्यात का संबंध है इस संबंध में संयोजन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा एक "निरोधन पृष्ठांकन" अपेक्षित होगा। "भारत मर्च" के संबंध में विकास प्रायुक्त (हस्त-शिल्प) प्रथम वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र अपेक्षित होगा। | | | | (ख) पीशाक और सजाई से बुने हुए वस्त्रों के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्; | |
| | | | | | | (II) कुटीर उद्योग के हथकरवा वस्त्र ऐसे हथकरवा वस्त्रों से बने हस्त-निर्मित सूती वस्त्र उत्पाद और परम्परागत लोक हस्त-शिल्प वस्त्र उत्पाद ("भारत मर्चों") के रूप में जाने जाने वाले) मादिक प्रतिबंधों के अधीन नहीं हैं। सूती हथकरवा उत्पादों के लिए कम्बोनेशन प्रपत्र के भाग-2 में वस्त्र समिति द्वारा "निरोधन पृष्ठांकन" आवश्यक होगा। "भारत मर्चों" के मामलों में विकास प्रायुक्त (हस्त-शिल्प) के कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र अपेक्षित होगा। | |
| | | | | 58 भारतीय स्वीडन वस्त्र ख-70(9) | | (I) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारों के आबंटन के मर्चे:- | |
| | | | | | | (क) तैयार (ऊनी वस्त्र/ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) वस्त्रों के लिए सूती वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्। | |
| | | | | | | (ख) पीशाकों और सजाई से बुने हुए वस्त्रों (सजाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों को छोड़कर) के लिए परिधान निर्यात संवर्धन परिषद्; और | |
| | | | | | | (ग) तैयार ऊनी वस्त्र और सजाई से बुने हुए ऊनी वस्त्रों के लिए ऊनी और ऊनी वस्त्र निर्यात संवर्धन परिषद्। लेकिन पोत परिवहन बिलों पर आवश्यक प्रमाणन सभी तैयार वस्त्रों (तैयार ऊनी वस्त्रों सहित) के लिए | |
| 67 भारत और आस्ट्रेलिया के बीच सहमति ज्ञापन के अधीन कुछ सूची वस्त्रों और वस्त्र | | (I) निम्नलिखित द्वारा निर्यात हकदारों के आबंटन के मर्चे पोत परिवहन | | | | | |

1 2 3 4 1 2 3 4

सूती वस्त्र निर्मात संबंधन
परिषद द्वारा और सभी
पोशाकों और सलाई से
बुने हुए वस्त्रों (ऊनी
पोशाकों और सलाई से
बुने हुए वस्त्रों सहित) के
लिए परिधान नियमित संबंधन
परिषद द्वारा किया जाएगा।

(2) प्रतिबंध के अधीन
हथकरघा के तैयार वस्त्रों
और पोशाकों के निर्माण के
लिए वस्त्र समिति से इस
संबंध में प्रमाणन आव-
श्यक होगा कि ये वस्त्र
मूल रूप से हथकरघा के हैं।

59 भारत और फिलीपीन्स के बीच (70)(10) (1) निम्नलिखित द्वारा
समझौता आपन के अधीन
सूती और तैयार रेशों के वस्त्र
उत्पादों का फिलीपीन्स को
निर्यात।

निर्यात हकदारी के
आर्बटन के मद्दे:-

(क) पोशाकों और सलाई
से बुने हुए वस्त्रों के लिए
परिधान नियमित संबंधन
परिषद।

(ख) ऊनी जुराबों के
लिए ऊनी और ऊनी वस्त्र
नियमित संबंधन परिषद
लेकिन पांत परिवहन बिलों
पर आवश्यक प्रमाणन सभी
पोशाकों और सलाई से बुने
हुए उत्पादों के लिए परि-
धान नियमित संबंधन परिषद
द्वारा किया जाएगा।

(2) कुटीर उद्योग के
हथकरघा वस्त्रों, हस्त-
निर्मित कुटीर उद्योग द्वारा
बनाए गए ऐसे ही हथकरघा
वस्त्र (बनाऊ और कमीजों
में मिश्र) और परम्परागत
लोक हस्तशिल्प वस्त्र
("भागत मद्दे") मासिक
प्रतिबन्धा के अधीन नहीं
हैं। हथकरघा ब्लाउज और
कमीजों के मामले में वस्त्र
समिति द्वारा इस संबंध
में जारी किया गया प्रमाण-
पत्र भी आवश्यक होगा कि
वस्त्र मूल रूप से हथकरघा
द्वारा तैयार किए गए हैं
"भारत मद्दे" के अन्तर्गत
वस्त्र उत्पादों के मामले में
वस्त्र समिति या वस्त्र
आयुक्त (हस्तशिल्प) से
एक प्रमाण-पत्र आवश्यक
होगा।

60 हटा दिया गया।

61 भारत और कनाडा के बीच बी-70(13) (1) निम्नलिखित द्वारा
सहमति आपन के अधीन सूती,
ऊनी और मानव निर्मित
रेशों या उनके मिश्रण के
कुछ वस्त्र उत्पादों का कनाडा
को निर्यात।

निर्यात हकदारी के आर्बटन
के मद्दे:-

(क) वस्त्रों और तैयार
वस्त्रों के लिए (जिसमें
ऊनी वस्त्र और तैयार वस्त्र
शामिल नहीं हैं) सूती वस्त्र
निर्यात संबंधन परिषद।

(ख) पोशाकों और सलाई
से बुने हुए वस्त्रों (जिसमें
सलाई से बुने हुए ऊनी
वस्त्र शामिल नहीं हैं),
के लिए परिधान नियमित
संबंधन परिषद, और

(ग) ऊनी वस्त्रों और
तैयार वस्त्रों और सलाई से
बुने हुए ऊनी वस्त्रों (लेकिन
जिनमें ऊनी पोशाक शामिल
नहीं है) के लिए ऊनी और
ऊनी वस्त्र निर्यात संबंधन
परिषद। लेकिन पांत
परिवहन बिलों पर आवश्यक
प्रमाणन सभी वस्त्रों और
तैयार वस्त्रों (जिसमें ऊनी
वस्त्र और तैयार वस्त्र
शामिल हैं) के लिए सूती
वस्त्र निर्यात संबंधन
परिषद द्वारा किया जाएगा
और पोशाकों एवं सलाई से
बुने हुए वस्त्रों के
मामले में ऐसा प्रमाणन
परिधान नियमित संबंधन
परिषद द्वारा किया जाएगा।

(2) कुटीर उद्योग के
हथकरघा के वस्त्र, ऐसे
हथकरघा वस्त्रों से निर्मित
हस्त निर्मित कपड़ा और
वस्त्र उत्पाद और पर-
म्परागत लोक प्रचलित
हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद (जो
भारत मद्दे के नाम से जाने
जाते हैं) मासिक प्रतिबन्धों
के अधीन नहीं हैं। सभी
हथकरघा वस्त्रों, तैयार
वस्त्रों और प्रतिबन्धित मद्दे
के समस्त तैयार पोशाक
के निर्यात के मामलों में
कम्प्यूटेशन प्रपत्र के भाग 2
में वस्त्र समिति द्वारा
"निरिक्षण पृष्ठांकन"
आवश्यक होगा। "भारत

| 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|-----------|--|---|
| | | | सर्वों के संबंध में विकास प्रायुक्त (हस्तशिल्प) के कार्यालय या वस्त्र समिति द्वारा जारी किया गया उचित प्रमाणपत्र आवश्यक होगा। |
| 62(क) द्विपक्षीय वस्त्र समझौते के अन्तर्गत न जाने वाले देशों को निर्यातित सभी वस्त्रों की पोशाकों और मलाई से धुने हुए पहनावे और जिन देशों के साथ भारत के ऐसे समझौते हैं उनके मामले में वे सर्वों को द्विपक्षीय समझौतों की शर्तों के अधीन नहीं है। | ख-70(14) | निर्यात की अनुमति परिधान निर्यात संबंधित परिषद द्वारा पोत परिवहन बिलों पर पूर्णकन करने के बाद सभी गंतव्य स्थानों के लिए हो जाएंगे। | |
| 62(ख) द्विपक्षीय वस्त्र समझौते के अन्तर्गत न जाने वाले देशों को निर्यातित वस्त्रों और तैयार वस्त्रों और जिन देशों के साथ भारत के ऐसे समझौते हैं उनके मामले में वे वस्त्र और तैयार वस्त्र जो द्विपक्षीय समझौतों की शर्तों के अधीन नहीं है। | बो-70(15) | सूती वस्त्र निर्यात संबंधित परिषद द्वारा पोतपरिवहन बिलों पर प्रमाणित करके सभी गंतव्य स्थानों को निर्यात प्रमत्त होगा। | |

[मि० सं० 2/53/82-ई-1]

मणि नारायण स्वामी, मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 17th January, 1983

EXPORT TRADE CONTROL

S.O. 19 (E) No. E(C)O, 1977/AM(255) :—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby makes the following order further to amend the Exports (Control) Order, 1977, namely :—

1. This Order may be called the Exports (Control) Second Amendment Order, 1983.

2. In the Exports (Control) Order, 1977,

(a) Clause 3 A shall be deleted.

(b) In Part 'B' Schedule I the existing sub-entries (v) to (xv) against Sl. No. 70 shall be deleted and shall be substituted by the following :—

"70(v) Export to EEC Member-States of Textiles and Textile products made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk, and flax) under the Indo-EEC Textile Agreement.

(vi) Export to U.S.A. of Textiles made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-U.S. Textile Agreement.

(vii) Export to Austria of certain cotton textiles and textile products under Memorandum of Understanding between India and Austria.

(viii) Deleted

(ix) Export of certain textile products of cotton wool and man-made fibres or blends thereof to Sweden under the Indo-Swedish Textile Agreement.

(x) Export of textile products of cotton and man-made fibres to Finland under the Memorandum of Understanding between India and Finland.

(xi) Deleted.

(xii) Export to Cotonou, Lome and Accra (Ghana) of Real Madras Handkerchief (RMHK).

(xiii) Export of certain textile products of cotton, wool and man-made fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada.

(xiv) Garments and knitwear of all types exported to countries not covered by bilateral Textile Agreements and items not subject to the provisions of the bilateral Agreements in the case of countries with which India has such agreements.

(xv) Fabrics and made-ups exported to countries not covered by bilateral Textile Agreements, and fabrics and made-ups not subject to the provisions of the bilateral Agreements in the case of countries with which India has such agreements."

c) In OGL 3, the existing entries against Sl. Nos. 55 to 62B shall be deleted and the following shall be substituted :—

| Sl. No | Item | Sl. No. as in Part 'B' of Schedule I | Conditions to be fulfilled/documents to be produced |
|--------|---|--------------------------------------|--|
| 1 | 2 | 3 | 4 |
| 55 | Export to EEC Member-States of Textiles and Textile products made from cotton, wool and man-made fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-EEC Textile Agreement. | B.70(v) | (i) Against allocation of export entitlement by : (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups). (b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwears (excluding woollen knitwear). (c) The Wool and Woollens Export Promotion Council for woollen fabrics, made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments) |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 3 | 4 |
|---|---|---|---|----|--|--|
| | | | Necessary certification on shipping bills will however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for all fabrics and made-ups (including woollen fabrics and made-ups), and in respect of all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear) such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council. | | | respect of "India Items" appropriate certified issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) or the Textile Committee will be required. |
| | | | (ii) In the matter of allocation of export entitlement, the Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Commerce and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism. | | | |
| | | | (iii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade cottage industry products made of such handloom fabrics (other than garments) and traditional folklore handicraft textile products (India items) are not subject to quantitative restraints. In the case of exports of handloom garments, certification by the Textile Committee as to the handloom origin of the goods will also be required. In the case of exports of all handloom fabrics/made-ups corresponding to restrained items, an "Inspection Endorsement" by the Textile Committee in Part-2 of the Com-bication Form will be required. In | 56 | Export to USA of Textiles made from cotton, wool and manmade fibres (excluding jute, silk and flax) under the Indo-US Textile Agreement. | B.70(vi) |
| | | | | | | (i) Against allocation of export entitlement by : |
| | | | | | | (a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-up (excluding woollen fabrics and made-ups); |
| | | | | | | (b) The Apparels Export Promotion Council for garment and knitwear (excluding woollen knitwear); |
| | | | | | | (c) The Wool and Woollens Export Promotion Council for woollen fabrics made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments). |
| | | | | | | Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for Wool on fabrics and made-ups, and in respect of woollen knitwear, such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council. |
| | | | | | | (ii) In the matter of allocation of export entitlement, Export Promotion Councils will observe the guidelines issued by the Ministry of Commerce and will make efforts to ensure reasonable realisation through floor price mechanism. |
| | | | | | | (iii) Handloom fabrics of the cottage |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|-----------------------------|---|--|----|---|----------|--|
| | | | <p>industry, handmade cottage industry products made of such fabrics (other than garments) and traditional folklore handicraft textiles products of the cottage industry ("India Items") are not subject to quantitative restraints. In the case of exports of handloom garments certification by the Textile Committee as to the handloom origin of the goods will also be required.</p> <p>In so far as exports of all handloom fabrics/made up corresponding to restrained items are concerned an "Inspection Endorsement" by the Textile Committee in Part-2 of the Combination Form will be required. In respect of "India Items" appropriate certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) of the Textile Committee will be required.</p> | | | | <p>and traditional folklore handicraft textile products (known as "India Items") are not subject to quantitative restraints. For exports of cotton handloom products an "Inspection endorsement" by the Textile Committee in Part-2 of the Combination Form will be required. In respect of "India Items" appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) or the Textile Committee will be required.</p> |
| 57 | Export to Austria B.70(vii) | <p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups; and</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwears,</p> <p>by certification on shipping bills.</p> <p>(ii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade cotton textile products made of such handloom fabrics</p> | | 58 | Export of certain Textile Products of cotton, wool and man-made fibre or blends thereof to Sweden under Indo-Swedish Textile Agreement. | B.70(ix) | <p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for made-ups (excluding woollen made-ups);</p> <p>(b) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and</p> <p>(c) The Wool and Woollens Export Promotion Council for woollen made-ups and woollen knitwear.</p> <p>Necessary Certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textiles Export Promotion Council for all made-ups (including woollen made-ups) and by the Apparels Export Promotion Council for all garments and knitwear (including woollen garments and knitwear).</p> <p>(ii) For export of handloom made-ups and garments subject to restraint, certification as to hand-</p> |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|----|---|------------|--|---|---|---|---|
| | | | loom origin by the Textile Committee will also be required. | | | | (b) The Apparels Exports Promotion Council for garments and knitwear (excluding woollen knitwear); and |
| 59 | Export of Textile Products of cotton and man-made fibres to Finland under the Memorandum of Understanding between India and Finland. | B 70(x) | <p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Apparels Export Promotion Council for garments and knitwear; and</p> <p>(b) The Wool & Woollen Export Promotion Council for Woollen socks.</p> <p>Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Apparels Export Promotion Council for all garments or knitwear products.</p> <p>(ii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade cottage industry products made of such handloom fabrics (other than blouses and shirts) and traditional folklore Handicraft textile products ('India Items') are not subject to quantitative restraints. In the case of Handloom blouses and shirts the Certificate issued by the textile Committee regarding the Handloom origin of the goods will also be required. In the case of textile products falling under 'India Items' a Certificate by the Textile Committee or the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) will be required.</p> | | | | <p>(c) The Wool and Woollens Export Promotion Council for woollen fabrics and made-ups and woollen knitwear (but excluding woollen garments).</p> <p>Necessary certification on shipping bills will, however, be made by the Cotton Textile Export Promotion Council for all fabrics and made-ups (including woollen fabrics and made-ups), and in respect of garments and knitwears such certification will be made by the Apparels Export Promotion Council.</p> |
| 60 | Deleted | | | | | | (ii) Handloom fabrics of the cottage industry, handmade clothing and textile products made of such handloom fabric and traditional folklore handicraft textile products (known as "India Items") are not subject to quantitative restraints. In the case of export of all handloom fabrics and made-ups and garments corresponding to restrained items, "Inspection Endorsement" by the Textile Committee on Part 2 of the Combination Form will be required. In respect of "India Items" appropriate Certificate issued by the Office of the Development Commissioner (Handicrafts) for the Textiles Committee will be required. |
| 61 | Export of certain Textile Products of Cotton, Wool and man-made Fibres and blends thereof to Canada under the Memorandum of Understanding between India and Canada. | B.70(xiii) | <p>(i) Against allocation of export entitlement by :</p> <p>(a) The Cotton Textiles Export Promotion Council for fabrics and made-ups (excluding woollen fabrics and made-ups);</p> | | | | |

| 1 | 2 | 3 | 4 | 1 | 2 | 3 | 4 |
|---|-----------|---|---|---|--|---|--|
| 62(A) Garments and knit-wear of all types exported to countries not covered by bilateral textile agreements, and items not subject to the provisions of the bilateral agreements in the case of countries with which India has such agreements. | B.70(xiv) | Export will be allowed to all permissible destinations by certification on shipping bills by the Apparels Export Promotion Council. | | | tries not covered by bilateral textile agreements, and fabrics and made-ups not subject to the provisions of the bilateral agreements in the case of countries with which India has such agreements. | | tinations by certification on shipping bill by the Cotton Textiles Export Promotion Council. |
| 62(B) Fabrics and made-ups exported to countries not covered by bilateral textile agreements, and items not subject to the provisions of the bilateral agreements in the case of countries with which India has such agreements. | B.70(xv) | Export will be allowed to all permissible destinations by certification on shipping bills by the Apparels Export Promotion Council. | | | | | |

[File No. 2/53/82-E.I.]

MANI NARAYANSWAMI, Chief Controller of Imports & Exports.

